भारतीय रेलवे माल गोदाम मथुरा के सभी श्रमिको की अन्तर आत्मा की वेदना भरी आवाज

माननीय प्रधान मंत्री जी, एवं रेल मंत्री जी से हमारी विनम्र प्रार्थना है देश का सबसे बडा अर्थ व्यवस्था का श्रोत रेलवे माल गोदाम है जिससे देश चलता है। श्री लाल बहादुरी शास्त्री जी का कहना है जय जवान जय मजदूर जय किसान, लगभग सभी देश के प्रधान मंत्रियो ने देश के किसानो का सम्मान किया है। जैसे प्रधान मंत्री किसान पेशन योजना चलाकर तथा कर्ज मांफी, व्याज माफी आदि सुविधा देकर देश के जवानो को अनेक सुविधाये देकर सम्मान किया है। रक्षाबंधन जैसे पर्वो पर प्रधानमंत्री बार्डर पर जवानों से मिले है, लेकिन यह स्वागत योग्य है, हमारे देश के प्रधानमंत्रियों ने तथा अधिकारियो ने खिलाडियों, कवियो, वैज्ञानिको या देश के नेताओ को राष्ट्रपति पदक तथा अन्य पदको से सम्मानित किया गया है लेकिन जो श्रमिक (पल्लेदार) इमानदारी से काम करता है देश की सेवा करता है तो इनको भी राष्ट्रपति पदक तथा अन्य पुरस्कारो से सम्मान मिलना चाहिये जो 14 से 16 घन्टे तक काम करते है। लेकिन देश के रेलवे माल गोदाम मथुरा के पल्लेदारो के सिर और पीठ पर वजन ढोकर चिल चिलाती धूप मे काम करना जिसका माथे का पसीना एडी तक बहाकर देश की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करते है। भारत को विश्व गुरू बनाने, शरीर का खून पसीना बहाकर, देश को ऊँचा उठाने मे सहयोग करते है, लेकिन मथुरा रेलवे माल गोदाम आर्थिक अर्थ व्यवस्था अन्य माल गोदामो की अपेक्षा ज्यादा आर्थिक श्रोत है, ऐसे कई पल्लेदार (श्रमिक) तापमान अधिक होने तथा गर्मी के महीने मे काम करते समय, उनको अटैक पड गया कई बीमार हो जाते है और कई मजदूरो की काम करते समय मृत्यु हो गयी। लेकिन आज तक रेलवे माल गोदाम से कोई सुविधा नही मिली, न उनके बच्चो को कोई सुविधा मिली, न इलाज हुआ। लेकिन आज तक किसी भी प्रधानमंत्री तथा रेलमंत्री जी न अधिकारियो ने इनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया न आकर उनका हाल चाल

पूछा। अधम ज्यादातर अशिक्षित श्रमिक थोडे से पैसे पाकर व्यापारियो तथा देशा की अर्थ व्यवस्था को आगे बढाते है। रेलवे माल गोदाम सरकारी है तो क्या रेलवे माल गोदाम मे काम करने वाले सरकारी नही हो सकते है रेलवे पार्सल मे कर्मचारी काम करते है, वह सरकारी है रेलवे स्टेशनो मे कुलियो को सुविधा दी जा सकती है तो रेलवे पल्लेदारो को क्योनही जो सबसे ज्यादा आमदनी रेलवे माल गोदाम को कमा कर देते है।

अतः हम मथुरा के सभी श्रमिक पल्लेदार प्रधानमंत्री जी तथा रेलमंत्री जी को ध्यान दिलाते है तुरन्त हमारी मांगो पर विचार करे। आपकी अति कृपा होगी।

हमारी मांगे निम्नवत हैः–

1. हमे स्थयी किया जाय या 10/–रू0 प्रति बैग दिया जाय।
2. हमे रेलवे पास की सुविधा दी जाय।
3. हमारे श्रमिको की लडकी की शादी हेतु 2 लाख रू0 दिया जाय।
4. 60 वर्ष की आयु के बाद मासिक पेंशन दिया जाय।
5. हाथ पैर मे चोट लगते समय उनका उचित इलाज तथा 2 लाख रू0 मुआवजा दिया जाय।
6. श्रमिको की काम करते समय मृत्यु पर 10 लाख रू0 दिया जाय।
7. स्रकारी वर्दी कपडा दिया जाय क्योकि काम करते समय कपडा बहुत फटता है।
8. रेलवे विभाग मे जो जगह निकले उनमे हमारे बच्चे लिये जाय या योग्य श्रमिको को भर्ती किया जाये।
9. इमानदारी तथा अच्छे मेहनती श्रमिको को मजदूर दिवस या अन्य कार्यक्रमो 15 अगस्त या 26 जनवरी ऐसे राष्ट्रीय पर्वो पर राष्ट्रपति पदक तथा अन्य पदको से सम्मानित होना चाहिये जो देश की अर्थ व्यवस्था को विश्व गुरू बनाने मे सहयोग करते है।

दिनांकः–

प्रार्थीगण
समस्त श्रमिक
रेलवे माल गोदाम मथुरा